प्रेस विज्ञप्ति

हिमाचल प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एचपीएसआरएलएम) ने "हिमईरा सरस मेले 2024 और फूड कार्निवल" की शानदार सफलता का जश्न मनाया

शिमला, हिमाचल प्रदेश — हिमाचल प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एचपीएसआरएलएम) ने *हिमईरा सरस मेले 2024 और फूड कार्निवल* की शानदार सफलता की घोषणा की है, जो 10 दिसंबर 2024 को संपन्न हुआ। यह आयोजन शिमला के रिज मैदान में 10 दिनों तक चला, जिसमें ग्रामीण हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन, और सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित किया गया। मेले ने प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से रात 9:00 बजे तक उत्साही आगंतुकों का स्वागत किया और ग्रामीण विकास और आजीविका को बढ़ावा देने में एक मील का पत्थर साबित हुआ।

अभूतपूर्व उपलब्धियां

मेले ने **₹1.93 करोड़** की कुल बिक्री के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जो महिला-नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) द्वारा की गई। यह आंकड़ा इस बात को रेखांकित करता है कि यह मेला एसएचजी को ग्राहकों से जुड़ने और स्थायी आय के अवसर बनाने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करने में कितना सफल रहा।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

हस्तशिल्प और पाक-कला उत्कृष्टता:
हिमईरा सरस मेले 2024 और फूड कार्निवल ने भारत भर के एसएचजी की रचनात्मकता और प्रतिभा को उजागर किया। मुख्य विशेषताएं थीं:
- 14 स्टॉल जो विभिन्न राज्यों के एसएचजी के शिल्प को प्रदर्शित कर रहे थे।
- 66 स्टॉल जो हिमाचल प्रदेश के एसएचजी द्वारा बनाए गए उत्कृष्ट हस्तशिल्प, हैंडलूम, और खाद्य उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे थे।
- 21 लाइव फूड स्टॉल जो प्रामाणिक हिमाचली व्यंजन पेश कर रहे थे।
- 4 स्टॉल जो हिमाचल प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

पाक-कला का आनंद:
आगंतुकों ने इन व्यंजनों का स्वाद लिया:
- ऊना के शक्ति एसएचजी द्वारा किंब चाट।
- शिमला के एसएचजी कंडा द्वारा मीठा और नमकीन कोदरे सिड्डू।
- किन्नौर के दुर्गा एसएचजी और नेहरू एसएचजी द्वारा कोदरे मोमोज और नमकीन जलेबी।
- मंडी के कृष्णा एसएचजी द्वारा मंडियाली धाम।
- गौरी एसएचजी द्वारा कांगड़ी धाम।

विशिष्ट हस्तनिर्मित उत्पाद:
आगंतुक हिमाचली शिल्पकला से मंत्रमुग्ध हो गए, जिनमें शामिल थे:
- हिमईरा प्रीमियम स्टोर के प्रीमियम उत्पाद, एचपीएसआरएलएम द्वारा समर्थित।
- कुल्लू के गजान एसएचजी द्वारा बुने गए ऊनी उत्पाद।
- बुशहर विकलांग विशेष एसएचजी (पीडब्ल्यूडी) द्वारा सदरी, हिमाचली टोपी और जैकेट जैसे हैंडलूम उत्पाद।
- त्रिपुरा के जमुना एसएचजी द्वारा जनजातीय वस्त्र और जैकेट।
- शिमला के राजा घेपण एसएचजी द्वारा ऊनी सूट और बुने हुए उत्पाद।

ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना

यह आयोजन हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण समुदायों, विशेष रूप से महिला-नेतृत्व वाले एसएचजी के लिए आजीविका बढ़ाने की एचपीएसआरएलएम की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है। इस मेले ने एसएचजी को अपने शिल्पकला को प्रदर्शित करने, ग्राहक संबंध बनाने और स्थायी आय के अवसर सुनिश्चित करने का एक राष्ट्रीय मंच प्रदान किया।

आगंतुकों का उत्साह

मेले में लाइव सांस्कृतिक प्रदर्शन, इंटरएक्टिव कार्यशालाएं, और अनोखी प्रदर्शनी शामिल थीं, जो शिमला में एक अवश्य देखने योग्य आकर्षण बन गई। आगंतुकों ने प्रामाणिक अनुभवों और ग्रामीण कारीगरों का सीधे समर्थन करने के अवसर की सराहना की।

आभार और भविष्य की दृष्टि

एचपीएसआरएलएम सभी प्रतिभागियों, आगंतुकों और अधिकारियों का हार्दिक धन्यवाद करता है, जिन्होंने हिमईरा सरस मेले 2024 और फूड कार्निवल की सफलता में योगदान दिया। केपीएमजी पीएमयू ने भी मेले के आयोजन में एचपीएसआरएलएम का महत्वपूर्ण सहयोग किया। विभाग अधिक ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के लिए प्रतिबद्ध है, जो ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाएं और भारत की समृद्ध विरासत का उत्सव मनाएं।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
हिमाचल प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एचपीएसआरएलएम)
फोन: +91 9599899893

इस संस्कृति, समुदाय, और रचनात्मकता के उत्सव को एक शानदार सफलता बनाने के लिए धन्यवाद!